भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **3513**
दिनांक **15** जुलाई, 2019

कच्चे तेल की आयात लागत को कम करने की परियोजना

3513. श्री प्रतापराव जाधव:
श्री संजय काका पाटीलः
श्री सु॰ थरुनवुक्करासरः
श्री राजेन्द्र अग्रवालः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने पेट्रोल/डीजल के आयात में कमी करने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर गैर-अपघटनीय प्लास्टिक के माध्यम से पेट्रो लयम ईंधन के उत्पादन हेतु परियोजना शुरू करने के लए कोई परियोजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो कसी अन्य देश के सहयोग से इसके लए कसी प्रणाली का प्रस्ताव है; और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है क भारत वश्व का छठा सबसे बड़ा पेट्रो लयम उपभोक्ता है और यह उपभोग **2030** तक दुगना होने की संभावना है और यदि हां, तो गत **3** वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान वर्ष-वार पेट्रो लयम उत्पादों के आयात का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का देश में कच्चे तेल की आयात लागत में कमी करने और इसके उपभोग में कमी करने के लए नई प्रौद्यो गकी या वकल्प अपनाने/उपयोग करने का वचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे देश के कसानों को कस हद तक लाभ प्राप्त होने की संभावना है और इससे देश में एलपीजी सलेंडरों की कीमतों में कमी होने में कस हद तक सहायता मलेगी?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (ड.) सरकार आयात निर्भरता को कम करने, रोजगार पैदा करने, कसानों को बेहतर पारिश्र मक प्रदान करने आदि के व्यापक उद्देश्यों के साथ जैव-ईंधन कार्यक्रम को बढ़ावा दे रही है। देश में जैव-ईंधनों के प्रमुख स्रोत शीरा, कृ ष अवशेष चीनी वाली साम ग्रयां, खराब और अधिशेष खाद्यान, गैर खाद्य तिलहन, प्रयुक्त कए गए रसोई तेल, बायोमास, नगरपा लका के ठोस अप शष्ट, औद्यो गक अप शष्ट, प्लास्टिक अप शष्ट आदि हैं।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के वश्व ऊर्जा परिदृश्य 2018 के अनुसार, भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल खपत करने वाला देश है और 2016 की तुलना में 2030 तक इसकी खपत में 3.47% की म श्रत वा र्षक वृ द्ध दर (सीएजीआर) से वृ द्ध होने का अनुमान है। पछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान आयात कए गए पेट्रो लयम उत्पादों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:-

2016-17		2017-18		2018-19 (अनं)		2019-20 (अनं) (अप्रैल-मई)	
मात्रा (म लयन टन में)	मूल्य (करोड़ रुपए में)	मात्रा (म लयन टन में)	मूल्य (करोड़ रुपए में)	मात्रा (म लयन टन में)	मूल्य (करोड़ रुपए में)	मात्रा (म लयन टन में)	मूल्य (करोड़ रुपए में)
36.3	71,566	35.5	88,374	32.5	1,13,418	5.8	20,251

पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल के साथ क्रमश: एथेनॉल और बायोडीजल का मश्रण करने के उद्देश्य से भारत सरकार तेल वपणन कंपनियों (ओएमसीज) के माध्यम से एथेनॉल म श्रत पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम एंव बायोडीजल मश्रण कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रही है। इसके अलावा, पेट्रोल के साथ मश्रण के लए एथेनॉल की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से, सरकार ने दूसरी पीढ़ी (2जी) रूट खोल दिया है और एथेनॉल उत्पादन के लए अन्य फीडस्टॉकों जैसे अनाजों, गन्ना रस, फल और सब्जियों के अप शष्ट आदि का उपयोग करने की अनुमति दी है। सरकार व भन्न स्रोतों जैसे अप शष्टों/बायोमास स्रोतों से संपी डत बायो गैस के उत्पादन को भी बढ़ावा दे रही है। इस दिशा में, तेल पीएसयूज ने कफायती परिवहन के लए दीर्घका लक वकल्प (सतत) पहल शुरू की है। सरकार ने राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति-2018 अ धसू चत की है जिसमें वर्ष 2030 तक पेट्रोल में 20% एथेनॉल मश्रण और डीजल में 5% बायो डीजल के मश्रण के लक्ष्य की परिकल्पना की गई है।

******